

विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यम एवं राजनीतिक सहभागिता का मात्रात्मक अध्ययन

डॉ. दलीप कुमार

सहायक प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
राजकीय डिग्री कॉलेज, गंगेश्वरी
अमरोहा- 244255

सारांश (Abstract)

डिजिटल संचार के विस्तार ने विश्वविद्यालयी छात्रों के राजनीतिक सूचना-व्यवहार और सहभागिता के स्वरूप में महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न किया है। सामाजिक माध्यम अब केवल सामाजिक संपर्क और मनोरंजन के साधन नहीं रहे, बल्कि राजनीतिक समाचार, विचार-विमर्श, अभियान, नागरिक संवाद और राजनीतिक अभिव्यक्ति के महत्वपूर्ण मंच बन गए हैं। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यमों के उपयोग तथा राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध का मात्रात्मक अध्ययन करना है। अध्ययन में सामाजिक माध्यम उपयोग की अवधि, राजनीतिक सामग्री के संपर्क, ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता, डिजिटल साक्षरता, राजनीतिक जागरूकता तथा ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता जैसे विभिन्न आयामों को शामिल किया गया है। अध्ययन के लिए वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध डिजाइन प्रस्तावित किया गया है तथा प्राथमिक आँकड़ों के संग्रह के लिए संरचित प्रश्नावली और पाँच-बिंदु Likert Scale का उपयोग किया जा सकता है। सांख्यिकीय विश्लेषण में आवृत्ति, प्रतिशत, माध्य, मानक विचलन, Pearson सहसंबंध, ANOVA और बहु-प्रतिगमन जैसी तकनीकों का प्रयोग किया जा सकता है। पूर्ववर्ती शोधों में सोशल मीडिया के सूचनात्मक उपयोग और राजनीतिक/नागरिक सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंध पाए गए हैं, हालांकि उपलब्ध साहित्य यह भी बताता है कि इन संबंधों की कारणात्मक व्याख्या सावधानी से की जानी चाहिए। भारतीय विश्वविद्यालयी छात्रों पर उपलब्ध अध्ययनों में सोशल मीडिया को राजनीतिक और सामाजिक जागरूकता तथा सहभागिता से जोड़ने के संकेत मिलते हैं। प्रस्तुत अध्ययन का विशेष महत्व इस बात में है कि यह सामान्य सोशल मीडिया उपयोग और राजनीतिक सामग्री के वास्तविक संपर्क के बीच अंतर करते हुए ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता दोनों का मात्रात्मक परीक्षण करता है।

प्रमुख शब्द (Keywords)-सामाजिक माध्यम, राजनीतिक सहभागिता, विश्वविद्यालयी छात्र, राजनीतिक जागरूकता, डिजिटल साक्षरता, ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता, युवा राजनीति

1. परिचय

डिजिटल संचार के विस्तार ने युवाओं के सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक व्यवहार में महत्वपूर्ण परिवर्तन उत्पन्न किए हैं। विशेष रूप से सामाजिक माध्यमों—जैसे Facebook, Instagram, YouTube, X, WhatsApp तथा अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म—ने सूचना प्राप्त करने, विचार व्यक्त करने, सामाजिक नेटवर्क बनाने और सार्वजनिक मुद्दों पर संवाद करने के नए अवसर प्रदान किए हैं। विश्वविद्यालयी छात्र इस परिवर्तन के महत्वपूर्ण भागीदार हैं क्योंकि युवा वर्ग डिजिटल तकनीकों का व्यापक उपयोग करता है और सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों के संबंध में ऑनलाइन सामग्री से निरंतर संपर्क में रहता है। इस कारण सामाजिक माध्यम और राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध का अध्ययन समकालीन लोकतांत्रिक प्रक्रिया को समझने के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। परंपरागत राजनीतिक सहभागिता में मतदान, राजनीतिक दलों की गतिविधियों में भाग

लेना, चुनाव प्रचार, राजनीतिक बैठकों में उपस्थिति, प्रतिनिधियों से संपर्क तथा सामुदायिक आंदोलनों में भागीदारी जैसे व्यवहार शामिल रहे हैं। सामाजिक माध्यमों के विस्तार ने राजनीतिक सहभागिता के नए रूप विकसित किए हैं। राजनीतिक पोस्ट साझा करना, टिप्पणी करना, ऑनलाइन याचिकाओं का समर्थन करना, राजनीतिक अभियानों से जुड़ना, हैशटैग अभियानों में भाग लेना, राजनीतिक वीडियो देखना और डिजिटल माध्यमों से राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करना आधुनिक राजनीतिक सहभागिता के महत्वपूर्ण रूप बन गए हैं।

1.1 विश्वविद्यालयी छात्रों और राजनीतिक जागरूकता-विश्वविद्यालयी छात्र सामान्यतः विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विचारों से परिचित होने के अवसर प्राप्त करते हैं। विश्वविद्यालय परिसर में होने वाली चर्चाएँ, वाद-विवाद, छात्र संगठनों की गतिविधियाँ तथा समाचार और सामाजिक माध्यम राजनीतिक जागरूकता के विकास में योगदान दे सकते हैं। सामाजिक माध्यमों ने राजनीतिक जानकारी तक पहुँच को अधिक त्वरित और व्यापक बनाया है। अब छात्र केवल पारंपरिक समाचार माध्यमों पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि राजनीतिक नेताओं, संस्थाओं, समाचार संगठनों और नागरिक समूहों द्वारा साझा की जाने वाली सामग्री से भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों पर उपलब्ध राजनीतिक जानकारी की गुणवत्ता समान नहीं होती। गलत सूचना, भ्रामक सामग्री, पक्षपातपूर्ण प्रस्तुतियाँ, राजनीतिक प्रचार और एल्गोरिदमिक चयन जैसी परिस्थितियाँ छात्रों के राजनीतिक दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए सामाजिक माध्यम के उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध का मात्रात्मक अध्ययन आवश्यक है।

1.2 सामाजिक माध्यम और राजनीतिक सहभागिता-सामाजिक माध्यम राजनीतिक सहभागिता को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों रूपों में प्रभावित कर सकते हैं। प्रत्यक्ष रूप से छात्र राजनीतिक सामग्री साझा कर सकते हैं, राजनीतिक चर्चाओं में भाग ले सकते हैं या डिजिटल अभियानों का समर्थन कर सकते हैं। अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक माध्यम राजनीतिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं, जिससे छात्रों की राजनीतिक रुचि और नागरिक गतिविधियों में भाग लेने की इच्छा विकसित हो सकती है। फिर भी अधिक सामाजिक माध्यम उपयोग को स्वतः अधिक राजनीतिक सहभागिता के समान नहीं माना जा सकता। कोई छात्र प्रतिदिन कई घंटे सोशल मीडिया का उपयोग कर सकता है लेकिन राजनीतिक सामग्री में उसकी रुचि सीमित हो सकती है। इसी प्रकार कोई छात्र कम समय ऑनलाइन रहकर भी राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हो सकता है। इसलिए इस अध्ययन में सामाजिक माध्यम उपयोग की **आवृत्ति, अवधि, प्लेटफॉर्म, राजनीतिक सामग्री के संपर्क, ऑनलाइन राजनीतिक संवाद और राजनीतिक सहभागिता** जैसे विभिन्न आयामों का मात्रात्मक परीक्षण आवश्यक है।

1.3 राजनीतिक सहभागिता के ऑनलाइन और ऑफलाइन आयाम-डिजिटल युग में राजनीतिक सहभागिता को केवल ऑनलाइन गतिविधियों से मापना पर्याप्त नहीं है। ऑनलाइन राजनीतिक चर्चा और ऑफलाइन राजनीतिक व्यवहार के बीच संबंध भी महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, किसी छात्र द्वारा राजनीतिक विषय पर पोस्ट साझा करना डिजिटल सहभागिता का संकेत हो सकता है, जबकि मतदान में भाग लेना या छात्र राजनीतिक संगठन से जुड़ना ऑफलाइन सहभागिता का उदाहरण है। इसलिए विश्वविद्यालयी छात्रों में राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन करते समय मतदान की इच्छा, राजनीतिक चर्चाओं में भागीदारी, राजनीतिक दलों या छात्र संगठनों में रुचि, राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी, ऑनलाइन राजनीतिक सामग्री साझा करना तथा राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करना जैसे संकेतकों को एक साथ शामिल करना आवश्यक है।

1.4 सामाजिक माध्यम की विश्वसनीयता और राजनीतिक जानकारी-सामाजिक माध्यमों का एक महत्वपूर्ण पक्ष राजनीतिक जानकारी की विश्वसनीयता है। छात्र विभिन्न स्रोतों से राजनीतिक जानकारी प्राप्त करते हैं, लेकिन प्रत्येक ऑनलाइन स्रोत समान रूप से विश्वसनीय नहीं होता। गलत सूचना और misinformation की संभावना राजनीतिक जागरूकता की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती है। इसलिए यह समझना आवश्यक है कि छात्र राजनीतिक सामग्री को किस प्रकार देखते, साझा करते और सत्यापित करते हैं। डिजिटल साक्षरता इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यदि छात्र स्रोत की विश्वसनीयता की जाँच करने, विभिन्न स्रोतों की तुलना करने और भ्रामक सामग्री की पहचान करने में सक्षम हैं, तो सामाजिक माध्यम राजनीतिक जानकारी का उपयोगी माध्यम बन सकते हैं।

1.5 मात्रात्मक अध्ययन की आवश्यकता-सामाजिक माध्यम और राजनीतिक सहभागिता के संबंध पर सामान्य चर्चाएँ व्यापक हैं, लेकिन विश्वविद्यालयी छात्रों के संदर्भ में इस संबंध को मापने के लिए व्यवस्थित मात्रात्मक अध्ययन आवश्यक है।

केवल यह जानना कि छात्र सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, पर्याप्त नहीं है। यह भी निर्धारित करना आवश्यक है कि उपयोग की अवधि, राजनीतिक सामग्री का संपर्क, ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधि और डिजिटल साक्षरता राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न स्तरों से किस प्रकार संबंधित हैं। इसलिए प्रस्तुत अध्ययन सामाजिक माध्यम उपयोग को स्वतंत्र चर तथा राजनीतिक सहभागिता को आश्रित चर के रूप में लेकर उनके बीच सांख्यिकीय संबंधों का अध्ययन करने का प्रयास करता है। साथ ही आयु, लिंग, शैक्षिक स्तर, अध्ययन-विषय, निवास क्षेत्र और डिजिटल साक्षरता जैसे सामाजिक-जनसांख्यिकीय कारकों को भी विश्लेषण में शामिल किया जा सकता है।

अनुसंधान प्रश्न- विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यमों के उपयोग की प्रकृति और राजनीतिक सहभागिता के बीच क्या संबंध है?

अनुसंधान परिकल्पनाएँ

H₁-सामाजिक माध्यमों के उपयोग की आवृत्ति और विश्वविद्यालयी छात्रों की राजनीतिक सहभागिता के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सकारात्मक संबंध है।

H₂-राजनीतिक सामग्री के सामाजिक माध्यमों पर अधिक संपर्क वाले विश्वविद्यालयी छात्रों में राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता का स्तर अधिक होता है।

H₃-डिजिटल साक्षरता, सामाजिक माध्यम उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है।

अध्ययन का महत्व

यह अध्ययन विश्वविद्यालयी छात्रों के राजनीतिक व्यवहार को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। युवा वर्ग लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है और सामाजिक माध्यमों ने युवाओं को राजनीतिक सूचना, विचार-विमर्श तथा डिजिटल नागरिक सहभागिता के नए अवसर प्रदान किए हैं। अध्ययन से यह समझने में सहायता मिलेगी कि सामाजिक माध्यमों का उपयोग केवल मनोरंजन और सामाजिक संपर्क तक सीमित है या वह छात्रों की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता से भी जुड़ा हुआ है। इससे ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता के बीच संभावित संबंधों को समझने में भी सहायता मिलेगी। अध्ययन विश्वविद्यालयों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नागरिक शिक्षा से जुड़े संस्थानों के लिए उपयोगी हो सकता है। इसके माध्यम से डिजिटल साक्षरता और जिम्मेदार डिजिटल नागरिकता के महत्व को भी समझा जा सकता है।

अनुसंधान की आवश्यकता

सामाजिक माध्यमों के तेजी से विस्तार ने राजनीतिक संचार के स्वरूप को बदल दिया है। विश्वविद्यालयी छात्र इन प्लेटफॉर्मों के प्रमुख उपयोगकर्ताओं में शामिल हैं और राजनीतिक समाचार, विचार तथा चर्चाओं से नियमित रूप से संपर्क में आ सकते हैं। इसके बावजूद यह मान लेना उचित नहीं है कि सामाजिक माध्यमों का अधिक उपयोग स्वतः राजनीतिक सहभागिता को बढ़ाता है। अतः यह अध्ययन आवश्यक है ताकि सामाजिक माध्यम उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच वास्तविक सांख्यिकीय संबंध का परीक्षण किया जा सके। अध्ययन विशेष रूप से यह समझने का प्रयास करेगा कि **उपयोग की अवधि, राजनीतिक सामग्री का संपर्क, ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधि, डिजिटल साक्षरता और राजनीतिक जागरूकता** किस प्रकार राजनीतिक सहभागिता से संबंधित हैं। इसके अतिरिक्त, सामाजिक माध्यमों पर misinformation, राजनीतिक ध्रुवीकरण और असत्यापित जानकारी की संभावनाएँ इस विषय को और अधिक महत्वपूर्ण बनाती हैं। विश्वविद्यालयी छात्रों में डिजिटल एवं राजनीतिक साक्षरता को समझना लोकतांत्रिक नागरिकता के अध्ययन के लिए उपयोगी है।

शोध-अंतराल

उपलब्ध साहित्य में सामाजिक माध्यमों और राजनीतिक सहभागिता के संबंध पर पर्याप्त सैद्धांतिक एवं अनुभवजन्य चर्चा उपलब्ध है। फिर भी विश्वविद्यालयी छात्रों के संदर्भ में कई महत्वपूर्ण प्रश्नों पर अधिक मात्रात्मक शोध की आवश्यकता है। पहला, अनेक अध्ययन सामाजिक माध्यम उपयोग की सामान्य आवृत्ति को राजनीतिक सहभागिता से जोड़ते हैं, जबकि **राजनीतिक सामग्री के संपर्क और सामान्य सोशल मीडिया उपयोग** के बीच पर्याप्त अंतर नहीं किया जाता। दूसरा, ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता और वास्तविक/ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता के संबंध को एक साथ मापने वाले अध्ययन अपेक्षाकृत सीमित हैं। तीसरा, डिजिटल साक्षरता को मध्यस्थ या संबंधित कारक के रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। प्रस्तुत अध्ययन इन अंतरालों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक माध्यम उपयोग, राजनीतिक सामग्री के संपर्क, डिजिटल साक्षरता, राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता को एक संयुक्त मात्रात्मक ढाँचे में अध्ययन करने का प्रयास करता है।

अध्ययन की परिसीमा (Delimitation of the Study)

1. अध्ययन केवल **विश्वविद्यालयी छात्रों** तक सीमित रहेगा और अन्य आयु वर्गों को मुख्य अध्ययन जनसंख्या में शामिल नहीं किया जाएगा।
2. अध्ययन में सामाजिक माध्यमों के प्रमुख प्लेटफॉर्म जैसे **WhatsApp, Instagram, YouTube, Facebook, X तथा अन्य लोकप्रिय डिजिटल प्लेटफॉर्म** को संदर्भित किया जा सकता है।
3. सामाजिक माध्यम उपयोग के अध्ययन में उपयोग की अवधि, आवृत्ति, राजनीतिक सामग्री का संपर्क, राजनीतिक पोस्ट देखना/साझा करना तथा ऑनलाइन राजनीतिक चर्चा जैसे आयाम शामिल किए जाएंगे।
4. राजनीतिक सहभागिता में मतदान की इच्छा, राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक चर्चाओं में भागीदारी, राजनीतिक संगठनों में रुचि, राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी तथा ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियों जैसे संकेतकों को शामिल किया जाएगा।
5. अध्ययन में आयु, लिंग, शैक्षिक स्तर, अध्ययन-विषय, निवास क्षेत्र और डिजिटल साक्षरता जैसे चयनित सामाजिक-जनसांख्यिकीय कारकों का विश्लेषण किया जा सकता है।
6. अध्ययन का मुख्य उद्देश्य सामाजिक माध्यमों और राजनीतिक सहभागिता के बीच **सांख्यिकीय संबंध** का अध्ययन करना होगा; किसी विशेष राजनीतिक दल, नेता या राजनीतिक विचारधारा के समर्थन अथवा विरोध का मूल्यांकन अध्ययन का हिस्सा नहीं होगा।
7. अध्ययन का निष्कर्ष अध्ययन में शामिल विश्वविद्यालयी छात्रों और निर्धारित नमूना-सीमा के संदर्भ में ही व्याख्यायित किया जाएगा; इसे सभी युवाओं या संपूर्ण भारतीय जनसंख्या पर स्वतः लागू नहीं किया जाएगा।

साहित्य समीक्षा

सामाजिक माध्यमों और राजनीतिक सहभागिता के संबंध पर उपलब्ध साहित्य यह दर्शाता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने राजनीतिक संचार और नागरिक सहभागिता के पारंपरिक स्वरूपों में परिवर्तन किया है। सामाजिक माध्यमों के माध्यम से नागरिक राजनीतिक समाचार प्राप्त कर सकते हैं, विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं, राजनीतिक अभियानों से जुड़ सकते हैं तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। इस संदर्भ में विश्वविद्यालयी युवा विशेष रूप से महत्वपूर्ण समूह हैं क्योंकि वे डिजिटल तकनीकों और सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्मों के सक्रिय उपयोगकर्ताओं में शामिल हैं। Gil de Zúñiga, Jung और Valenzuela (2012) ने सोशल नेटवर्किंग साइटों के माध्यम से समाचार प्राप्त करने और सामाजिक पूंजी, नागरिक सहभागिता तथा राजनीतिक सहभागिता के संबंध का अध्ययन किया। उनके अध्ययन में पाया गया कि सामाजिक नेटवर्क साइटों का समाचार-संबंधी उपयोग नागरिक एवं राजनीतिक सहभागिता के साथ सकारात्मक रूप से संबंधित था। अध्ययन ने यह भी दिखाया कि सोशल मीडिया का राजनीतिक प्रभाव केवल ऑनलाइन व्यवहार तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता से भी संबंधित हो सकता है। Boulianne (2015) ने 36 अध्ययनों का meta-analysis किया और पाया कि उपलब्ध शोधों में सामाजिक माध्यम उपयोग तथा नागरिक/राजनीतिक सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंधों की पर्याप्त संख्या मौजूद थी। हालांकि, उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सभी संबंध

सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं थे और cross-sectional studies से प्राप्त सकारात्मक संबंधों को स्वतः कारणात्मक प्रभाव नहीं माना जा सकता। यह निष्कर्ष वर्तमान अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया उपयोग की मात्रा और राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध को अन्य कारकों के साथ नियंत्रित करके देखना आवश्यक है। Valenzuela, Arriagada और Scherman (2012) ने चिली के युवाओं में Facebook उपयोग और विरोध-प्रदर्शन गतिविधियों के संबंध का अध्ययन किया। उनके परिणामों में Facebook उपयोग और protest activity के बीच महत्वपूर्ण संबंध पाया गया, विशेषकर तब जब सोशल मीडिया का उपयोग समाचार और सामाजिक संपर्क के लिए किया जाता था। इससे यह संकेत मिलता है कि सोशल मीडिया का राजनीतिक प्रभाव केवल उपयोग की अवधि से नहीं, बल्कि **उपयोग के उद्देश्य** से भी संबंधित हो सकता है। Valenzuela और सहयोगियों के अन्य अध्ययन में राजनीतिक चर्चा वाले सामाजिक नेटवर्क और ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता के संबंध का परीक्षण किया गया। यह दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक सहभागिता में केवल सूचना प्राप्त करना ही नहीं, बल्कि सामाजिक नेटवर्क में राजनीतिक संवाद और चर्चा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारतीय संदर्भ में विश्वविद्यालयी छात्रों पर किए गए अध्ययनों ने भी सोशल मीडिया और राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध की ओर ध्यान आकर्षित किया है। Bhatt और Kumar ने Instagram को भारतीय युवाओं के राजनीतिक सहभागिता के एक नए मंच के रूप में अध्ययन किया और विश्वविद्यालयी छात्रों पर ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से Instagram की राजनीतिक गतिविधियों तथा राजनीतिक सहभागिता के संबंध को समझने का प्रयास किया। इसी प्रकार Kumar, Sharma और Verma ने भारतीय विश्वविद्यालयी छात्रों के बीच सोशल मीडिया को सामाजिक और राजनीतिक समावेशन के माध्यम के रूप में अध्ययन किया और इसके राजनीतिक जागरूकता संबंधी आयामों पर ध्यान दिया। साहित्य से यह भी स्पष्ट होता है कि **online political participation और offline political participation को अलग-अलग मापना आवश्यक है**। किसी छात्र द्वारा राजनीतिक पोस्ट देखना या साझा करना डिजिटल सहभागिता का संकेत हो सकता है, लेकिन इससे यह स्वतः सिद्ध नहीं होता कि वह मतदान, राजनीतिक बैठकों या प्रत्यक्ष राजनीतिक गतिविधियों में भी सक्रिय है। इसी प्रकार डिजिटल साक्षरता महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक सामग्री की उपलब्धता और उसका आलोचनात्मक मूल्यांकन दो अलग प्रक्रियाएँ हैं। समग्र रूप से साहित्य में सोशल मीडिया और राजनीतिक सहभागिता के बीच संभावित सकारात्मक संबंध के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं, लेकिन कारणात्मक संबंध, राजनीतिक सामग्री के प्रकार, डिजिटल साक्षरता तथा ऑनलाइन-ऑफलाइन सहभागिता के बीच संबंधों पर आगे अनुभवजन्य शोध की आवश्यकता बनी हुई है। प्रस्तुत अध्ययन इसी शोध-अंतराल को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालयी छात्रों के संदर्भ में इन सभी आयामों का संयुक्त मात्रात्मक परीक्षण प्रस्तावित करता है।

अनुसंधान पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन **वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध डिजाइन** पर आधारित है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यम उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच सांख्यिकीय संबंध का अध्ययन करना है। अध्ययन की लक्षित जनसंख्या विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध स्तर के छात्र होंगे। प्राथमिक आँकड़ों के संग्रह के लिए संरचित प्रश्नावली का उपयोग किया जा सकता है। प्रश्नावली में आयु, लिंग, अध्ययन स्तर, अध्ययन-विषय, निवास क्षेत्र, सोशल मीडिया उपयोग की अवधि और प्रमुख प्लेटफॉर्म जैसे सामाजिक-जनसांख्यिकीय एवं डिजिटल चर शामिल किए जाएंगे। सामाजिक माध्यम उपयोग को मापने के लिए दैनिक उपयोग अवधि, उपयोग की आवृत्ति, राजनीतिक समाचार देखने, राजनीतिक वीडियो देखने, राजनीतिक पोस्ट साझा करने, टिप्पणी करने, राजनीतिक नेताओं/संस्थाओं को फॉलो करने तथा ऑनलाइन राजनीतिक चर्चाओं में भागीदारी जैसे संकेतक शामिल किए जाएंगे। राजनीतिक सहभागिता को राजनीतिक जागरूकता, मतदान की इच्छा, राजनीतिक चर्चाओं में भागीदारी, छात्र संगठनों में रुचि, राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी, राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक गतिविधियों के माध्यम से मापा जाएगा। डिजिटल साक्षरता को सूचना की खोज, स्रोतों की तुलना और राजनीतिक सामग्री की तथ्य-जाँच जैसे संकेतकों द्वारा मापा जा सकता है। उत्तरदाताओं की धारणाओं के लिए पाँच-बिंदु Likert Scale का प्रयोग किया जा सकता है। नमूना चयन में stratified तथा purposive sampling का उपयोग किया जा सकता है। आँकड़ों के विश्लेषण के लिए **frequency, percentage, mean, standard deviation, Pearson correlation, chi-square, ANOVA तथा multiple regression** का उपयोग किया जाएगा। Pearson correlation द्वारा सोशल मीडिया उपयोग, राजनीतिक सामग्री संपर्क, डिजिटल साक्षरता और राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध का परीक्षण किया जाएगा। Regression analysis से यह

निर्धारित किया जा सकता है कि सोशल मीडिया उपयोग, राजनीतिक सामग्री संपर्क और डिजिटल साक्षरता राजनीतिक सहभागिता से किस सीमा तक संबंधित हैं। प्रश्नावली की विश्वसनीयता के लिए Cronbach's Alpha का उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार अध्ययन सामान्य सोशल मीडिया उपयोग और राजनीतिक रूप से सक्रिय उपयोग

सांख्यिकीय विश्लेषण

तालिका 1: विश्वविद्यालयी छात्रों की सामाजिक-जनसांख्यिकीय, शैक्षिक एवं डिजिटल पृष्ठभूमि का विस्तृत वितरण

पैरामीटर	श्रेणी	आवृत्ति	प्रतिशत (%)
आयु	18-20 वर्ष	72	24.00
	21-23 वर्ष	118	39.33
	24-26 वर्ष	76	25.33
	27 वर्ष एवं अधिक	34	11.33
लिंग	पुरुष	158	52.67
	महिला	138	46.00
	अन्य	4	1.33
अध्ययन स्तर	स्नातक	174	58.00
	स्नातकोत्तर	96	32.00
	शोध/अन्य	30	10.00
अध्ययन क्षेत्र	मानविकी/सामाजिक विज्ञान	102	34.00
	विज्ञान	78	26.00
	वाणिज्य/प्रबंधन	64	21.33
	तकनीकी/व्यावसायिक	56	18.67
निवास	ग्रामीण	112	37.33
	अर्ध-शहरी	71	23.67
	शहरी	117	39.00
प्रतिदिन सोशल मीडिया उपयोग	1 घंटे से कम	27	9.00
	1-3 घंटे	78	26.00
	3-5 घंटे	112	37.33
	5 घंटे से अधिक	83	27.67
प्रमुख प्लेटफॉर्म	WhatsApp	246	82.00
	Instagram	228	76.00
	YouTube	219	73.00
	Facebook	126	42.00
	X	84	28.00
डिजिटल साक्षरता	निम्न	39	13.00
	मध्यम	161	53.67
	उच्च	100	33.33

तालिका 1 में 300 उदाहरणात्मक विश्वविद्यालयी छात्रों की सामाजिक-जनसांख्यिकीय, शैक्षिक और डिजिटल पृष्ठभूमि प्रस्तुत की गई है। आयु के आधार पर 21-23 वर्ष के छात्रों की संख्या सर्वाधिक 118 (39.33%) है, जबकि 24-26 वर्ष के 76 (25.33%) और 18-20 वर्ष के 72 (24.00%) छात्र हैं। इससे अध्ययन में युवा विश्वविद्यालयी आबादी का पर्याप्त प्रतिनिधित्व दिखाई देता है। लिंग के संदर्भ में 158 (52.67%) पुरुष और 138 (46.00%) महिला छात्र शामिल हैं। अध्ययन स्तर के अनुसार 174 (58.00%) छात्र स्नातक और 96 (32.00%) स्नातकोत्तर स्तर के हैं। अध्ययन-विषय की दृष्टि से मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के छात्र 34% हैं, जबकि विज्ञान, वाणिज्य/प्रबंधन और तकनीकी विषयों के छात्र भी पर्याप्त संख्या में शामिल हैं। यह

विविधता सामाजिक माध्यम उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न शैक्षिक संदर्भों की तुलना की संभावना प्रदान करती है। सोशल मीडिया उपयोग की अवधि अध्ययन के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 112 (37.33%) छात्र प्रतिदिन 3-5 घंटे सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, जबकि 83 (27.67%) पाँच घंटे से अधिक उपयोग करते हैं। इस प्रकार उदाहरणात्मक नमूने में लगभग दो-तिहाई छात्र प्रतिदिन तीन घंटे से अधिक सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। प्लेटफॉर्म के संदर्भ में WhatsApp का उपयोग 82%, Instagram का 76% और YouTube का 73% छात्रों द्वारा किया गया है। Facebook और X का उपयोग क्रमशः 42% और 28% है। डिजिटल साक्षरता में 53.67% छात्र मध्यम और 33.33% उच्च स्तर पर हैं। केवल 13% निम्न डिजिटल साक्षरता श्रेणी में हैं। यह वितरण अध्ययन में डिजिटल साक्षरता को सामाजिक माध्यम उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच एक महत्वपूर्ण संबंधित कारक के रूप में शामिल करने का आधार प्रदान करता है।

तालिका 2: सामाजिक माध्यम उपयोग, राजनीतिक सामग्री के संपर्क एवं डिजिटल राजनीतिक गतिविधियों का विस्तृत विश्लेषण

संकेतक	निम्न (%)	मध्यम (%)	उच्च (%)	माध्य	मानक विचलन
राजनीतिक सामग्री देखने की आवृत्ति	13	39	48	3.71	0.91
राजनीतिक समाचार पढ़ना	15	42	43	3.58	0.94
राजनीतिक वीडियो देखना	12	40	48	3.67	0.92
राजनीतिक पोस्ट साझा करना	36	42	22	2.89	1.03
राजनीतिक पोस्ट पर टिप्पणी करना	39	41	20	2.81	1.01
राजनीतिक मुद्दों पर ऑनलाइन चर्चा	27	45	28	3.14	0.98
राजनीतिक हैशटैग/अभियान में भागीदारी	47	34	19	2.62	1.05
राजनीतिक नेताओं/संस्थाओं को फॉलो करना	25	38	37	3.32	1.02
राजनीतिक तथ्य की जाँच करना	18	40	42	3.55	0.93
विभिन्न स्रोतों से राजनीतिक जानकारी लेना	17	41	42	3.54	0.95
राजनीतिक विज्ञापन/अभियान देखना	21	43	36	3.29	0.96
ऑनलाइन राजनीतिक बहस में भाग लेना	34	43	23	2.96	1.04
राजनीतिक मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करना	29	44	27	3.08	0.99

तालिका 2 सामाजिक माध्यमों पर विश्वविद्यालयी छात्रों के राजनीतिक संपर्क और ऑनलाइन राजनीतिक गतिविधियों के विभिन्न आयामों को दर्शाती है। राजनीतिक सामग्री देखने की आवृत्ति का माध्य 3.71 है तथा 48% छात्रों का स्तर उच्च है। इसी प्रकार राजनीतिक वीडियो देखने का माध्य 3.67 है। इससे संकेत मिलता है कि राजनीतिक सामग्री छात्रों की सोशल मीडिया गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती है। हालाँकि, राजनीतिक सामग्री देखने और सक्रिय राजनीतिक सहभागिता के बीच अंतर स्पष्ट दिखाई देता है। राजनीतिक पोस्ट साझा करने का माध्य 2.89 और टिप्पणी करने का माध्य 2.81 है। इसी प्रकार राजनीतिक हैशटैग या डिजिटल अभियान में भागीदारी का माध्य 2.62 है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि छात्र राजनीतिक सामग्री के उपभोक्ता तो हो सकते हैं, लेकिन सक्रिय डिजिटल राजनीतिक भागीदारी का स्तर अपेक्षाकृत कम हो सकता है। राजनीतिक नेताओं या संस्थाओं को फॉलो करने का माध्य 3.32 है। 37% छात्र इस गतिविधि में उच्च स्तर पर हैं। राजनीतिक तथ्य की जाँच का माध्य 3.55 है तथा 42% छात्र उच्च श्रेणी में हैं। यह डिजिटल नागरिकता के लिए महत्वपूर्ण आयाम है, क्योंकि सोशल मीडिया पर राजनीतिक जानकारी की मात्रा अधिक होने के कारण सूचना की विश्वसनीयता की जाँच आवश्यक हो जाती है। विभिन्न स्रोतों से राजनीतिक जानकारी लेने का माध्य 3.54 है। इससे यह संभावना सामने आती है कि छात्र केवल एक डिजिटल स्रोत पर निर्भर न रहकर विभिन्न स्रोतों से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। दूसरी ओर, ऑनलाइन राजनीतिक बहस में भागीदारी का माध्य 2.96 है। इन परिणामों से एक महत्वपूर्ण अंतर उभरता है—**passive political engagement** और **active political engagement** के बीच। राजनीतिक वीडियो देखना या पोस्ट पढ़ना निष्क्रिय सहभागिता के उदाहरण हैं, जबकि टिप्पणी करना, पोस्ट साझा करना, बहस में भाग लेना और डिजिटल अभियान में सक्रिय भागीदारी अधिक सक्रिय व्यवहार दर्शाते हैं। इसलिए राजनीतिक सहभागिता का मात्रात्मक अध्ययन करते समय

केवल सोशल मीडिया उपयोग की अवधि को स्वतंत्र चर मानना पर्याप्त नहीं होगा; राजनीतिक सामग्री के संपर्क और सक्रिय ऑनलाइन सहभागिता को अलग-अलग मापना आवश्यक है।

तालिका 3: विश्वविद्यालयी छात्रों की राजनीतिक जागरूकता एवं ऑनलाइन-ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता का तुलनात्मक विश्लेषण

राजनीतिक सहभागिता संकेतक	निम्न (%)	मध्यम (%)	उच्च (%)	माध्य	मानक विचलन
राजनीतिक मुद्दों की सामान्य जानकारी	11	39	50	3.76	0.88
चुनावी प्रक्रिया की जानकारी	14	43	43	3.57	0.93
मतदान के महत्व की समझ	8	29	63	4.01	0.82
मतदान करने की इच्छा	9	27	64	4.05	0.84
राजनीतिक चर्चाओं में रुचि	18	43	39	3.41	0.94
परिवार/मित्रों के साथ राजनीतिक चर्चा	16	38	46	3.62	0.91
विश्वविद्यालय में राजनीतिक चर्चा	29	44	27	3.06	1.00
छात्र संगठनों में रुचि	31	42	27	3.02	1.01
राजनीतिक कार्यक्रम में भागीदारी	38	40	22	2.78	1.02
राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क	49	34	17	2.46	1.04
राजनीतिक अभियान में भागीदारी	42	38	20	2.69	1.03
ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता	22	43	35	3.27	0.97
ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता	35	42	23	2.91	1.00

तालिका 3 में छात्रों की राजनीतिक जागरूकता तथा ऑनलाइन और ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न आयामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। मतदान करने की इच्छा का माध्य 4.05 तथा मतदान के महत्व की समझ का माध्य 4.01 है। क्रमशः 64% और 63% छात्रों का स्तर उच्च है। इससे उदाहरणात्मक रूप से यह संकेत मिलता है कि विश्वविद्यालयी छात्रों में औपचारिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति रुचि अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। राजनीतिक मुद्दों की सामान्य जानकारी का माध्य 3.76 है और 50% छात्र उच्च स्तर पर हैं। परिवार एवं मित्रों के साथ राजनीतिक चर्चा का माध्य 3.62 है। इसके विपरीत विश्वविद्यालय में राजनीतिक चर्चा का माध्य 3.06 है। इससे संकेत मिलता है कि राजनीतिक बातचीत का सामाजिक संदर्भ छात्रों की सहभागिता को प्रभावित कर सकता है। छात्र संगठनों में रुचि का माध्य 3.02 और राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी का माध्य 2.78 है। राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क का माध्य केवल 2.46 है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि सामान्य राजनीतिक जागरूकता अपेक्षाकृत अधिक होने के बावजूद प्रत्यक्ष राजनीतिक संपर्क और सक्रिय ऑफलाइन सहभागिता अपेक्षाकृत सीमित हो सकती है। ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता का माध्य 3.27 है, जबकि ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता का माध्य 2.91 है। यह अंतर विशेष रूप से अध्ययन के विषय के लिए महत्वपूर्ण है। डिजिटल माध्यम छात्रों को राजनीतिक चर्चा और सूचना में भाग लेने का कम बाधा वाला मंच प्रदान कर सकते हैं, जबकि ऑफलाइन सहभागिता के लिए समय, संगठनात्मक सदस्यता, सामाजिक संपर्क या भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता हो सकती है। हालाँकि, इस उदाहरणात्मक अंतर को यह प्रमाण नहीं माना जाना चाहिए कि सोशल मीडिया सीधे ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता को बढ़ाता है। इसके लिए correlation और regression जैसे सांख्यिकीय परीक्षण आवश्यक होंगे। साथ ही, यह भी जाँचना आवश्यक होगा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले छात्र वास्तव में मतदान, राजनीतिक कार्यक्रमों और अन्य नागरिक गतिविधियों में भी अधिक सक्रिय हैं या नहीं।

तालिका 4: सामाजिक माध्यम उपयोग एवं राजनीतिक सहभागिता के बीच संबंध को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण

कारक	निम्न राजनीतिक सहभागिता (%)	मध्यम (%)	उच्च (%)	राजनीतिक सहभागिता का माध्य	मानक विचलन
सोशल मीडिया उपयोग <1 घंटा	48	37	15	2.71	0.91

1-3 घंटे	31	44	25	3.04	0.94
3-5 घंटे	20	45	35	3.31	0.96
5 घंटे से अधिक	18	39	43	3.47	1.01
राजनीतिक सामग्री का कम संपर्क	45	39	16	2.74	0.89
राजनीतिक सामग्री का मध्यम संपर्क	24	46	30	3.18	0.92
राजनीतिक सामग्री का उच्च संपर्क	12	37	51	3.61	0.88
निम्न डिजिटल साक्षरता	49	38	13	2.65	0.94
मध्यम डिजिटल साक्षरता	25	46	29	3.17	0.93
उच्च डिजिटल साक्षरता	14	36	50	3.58	0.87
तथ्य-जाँच कम	42	40	18	2.83	0.97
तथ्य-जाँच मध्यम	27	44	29	3.16	0.92
तथ्य-जाँच उच्च	15	39	46	3.49	0.89

तालिका 4 में सोशल मीडिया उपयोग, राजनीतिक सामग्री के संपर्क, डिजिटल साक्षरता और तथ्य-जाँच व्यवहार के विभिन्न स्तरों के साथ राजनीतिक सहभागिता के संभावित संबंध को प्रदर्शित किया गया है। सोशल मीडिया उपयोग की अवधि बढ़ने के साथ राजनीतिक सहभागिता का उदाहरणात्मक माध्य भी बढ़ता दिखाई देता है। एक घंटे से कम सोशल मीडिया उपयोग करने वाले छात्रों का राजनीतिक सहभागिता माध्य 2.71 है, जबकि पाँच घंटे से अधिक उपयोग करने वालों का माध्य 3.47 है। हालाँकि, केवल उपयोग की अवधि को राजनीतिक सहभागिता का कारण नहीं माना जा सकता। सोशल मीडिया पर बिताया गया समय मनोरंजन, शिक्षा, सामाजिक संपर्क या अन्य गतिविधियों में भी खर्च हो सकता है। इसलिए राजनीतिक सामग्री के संपर्क को अलग से देखना अधिक उपयोगी है। कम राजनीतिक सामग्री संपर्क वाले छात्रों का सहभागिता माध्य 2.74 है, जबकि उच्च राजनीतिक सामग्री संपर्क वाले छात्रों का माध्य 3.61 है। यह अंतर अध्ययन की परिकल्पना H₂ के परीक्षण के लिए विशेष रूप से उपयोगी हो सकता है। डिजिटल साक्षरता के संदर्भ में निम्न डिजिटल साक्षरता वाले छात्रों का राजनीतिक सहभागिता माध्य 2.65 है, जबकि उच्च डिजिटल साक्षरता वाले छात्रों का माध्य 3.58 है। इससे यह संभावना सामने आती है कि डिजिटल साक्षरता केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि राजनीतिक जानकारी को खोजने, समझने और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता से भी संबंधित हो सकती है। तथ्य-जाँच व्यवहार में भी समान पैटर्न दिखाई देता है। उच्च स्तर की fact-checking वाले छात्रों का राजनीतिक सहभागिता माध्य 3.49 है, जबकि निम्न स्तर वालों का 2.83 है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक सहभागिता के साथ सूचना की गुणवत्ता भी लोकतांत्रिक व्यवहार का महत्वपूर्ण पहलू है। इन परिणामों को hypothesis testing के लिए आगे statistical significance tests की आवश्यकता होगी। विशेष रूप से ANOVA यह निर्धारित कर सकता है कि विभिन्न सोशल मीडिया उपयोग समूहों के राजनीतिक सहभागिता माध्य में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है या नहीं। Regression analysis यह जाँच सकता है कि सोशल मीडिया उपयोग, राजनीतिक सामग्री संपर्क और डिजिटल साक्षरता का संयुक्त प्रभाव राजनीतिक सहभागिता से किस प्रकार संबंधित है।

तालिका 5: सामाजिक माध्यम उपयोग, डिजिटल साक्षरता, राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता के बीच Pearson सहसंबंध

चर	सोशल मीडिया उपयोग	राजनीतिक सामग्री संपर्क	डिजिटल साक्षरता	राजनीतिक जागरूकता	ऑनलाइन सहभागिता	ऑफलाइन सहभागिता	कुल राजनीतिक सहभागिता
सोशल मीडिया उपयोग	1.00	0.54**	0.41**	0.46**	0.62**	0.38**	0.51**

राजनीतिक सामग्री संपर्क	0.54**	1.00	0.49**	0.71**	0.68**	0.43**	0.59**
डिजिटल साक्षरता	0.41**	0.49**	1.00	0.58**	0.55**	0.47**	0.54**
राजनीतिक जागरूकता	0.46**	0.71**	0.58**	1.00	0.66**	0.52**	0.64**
ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता	0.62**	0.68**	0.55**	0.66**	1.00	0.49**	0.78**
ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता	0.38**	0.43**	0.47**	0.52**	0.49**	1.00	0.76**
कुल राजनीतिक सहभागिता	0.51**	0.59**	0.54**	0.64**	0.78**	0.76**	1.00

टिप्पणी: ** $p < 0.01$; सभी सहसंबंध उदाहरणात्मक/सिमुलेटेड हैं।

तालिका 5 में अध्ययन के प्रमुख चरों के बीच Pearson correlation coefficients प्रस्तुत किए गए हैं। यह तालिका सामाजिक माध्यम उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच संभावित सांख्यिकीय संबंध को अधिक व्यवस्थित रूप से समझने में सहायता करती है। उदाहरणात्मक परिणामों के अनुसार सोशल मीडिया उपयोग और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच $r = 0.51$ का सकारात्मक संबंध है। यह दर्शाता है कि सोशल मीडिया उपयोग का उच्च स्तर राजनीतिक सहभागिता के उच्च स्तर के साथ जुड़ा हो सकता है, लेकिन यह अकेले कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं करता। राजनीतिक सामग्री संपर्क और राजनीतिक जागरूकता के बीच $r = 0.71$ का अपेक्षाकृत मजबूत सकारात्मक संबंध दिखाई देता है। इसी प्रकार राजनीतिक सामग्री संपर्क और ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता के बीच 0.68 का संबंध है। इससे संकेत मिलता है कि केवल सोशल मीडिया पर समय बिताने की तुलना में **राजनीतिक सामग्री के साथ वास्तविक संपर्क** राजनीतिक सहभागिता के अध्ययन में अधिक प्रासंगिक चर हो सकता है। ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच 0.78 तथा ऑफलाइन राजनीतिक सहभागिता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच 0.76 का संबंध है। यह स्वाभाविक रूप से अपेक्षित भी है क्योंकि दोनों कुल राजनीतिक सहभागिता के घटक हैं। इसलिए इन संबंधों को स्वतंत्र कारणात्मक प्रभाव के रूप में व्याख्यायित नहीं किया जाना चाहिए। डिजिटल साक्षरता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच 0.54 का सकारात्मक संबंध प्रस्तुत किया गया है। डिजिटल साक्षरता और राजनीतिक जागरूकता के बीच 0.58 का संबंध भी दिखाई देता है। इससे यह संभावना सामने आती है कि डिजिटल जानकारी को समझने और उसका आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की क्षमता राजनीतिक सूचना के उपयोग से संबंधित हो सकती है। राजनीतिक जागरूकता और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच 0.64 का संबंध है। यह अध्ययन की सैद्धांतिक संरचना के अनुरूप है जिसमें राजनीतिक जानकारी को सहभागिता से संबंधित एक महत्वपूर्ण आयाम माना गया है। समग्र रूप से उदाहरणात्मक सहसंबंध यह संकेत देते हैं कि **सोशल मीडिया उपयोग → राजनीतिक सामग्री संपर्क → राजनीतिक जागरूकता → राजनीतिक सहभागिता** के बीच संभावित संबंधों की आगे जाँच की जा सकती है। वास्तविक शोध में इन संबंधों को Multiple Regression या Structural Equation Modeling जैसे उन्नत तरीकों से भी परीक्षण किया जा सकता है। विशेष रूप से यह जाँचना उपयोगी होगा कि सोशल मीडिया उपयोग का राजनीतिक सहभागिता पर संबंध राजनीतिक जागरूकता और डिजिटल साक्षरता को नियंत्रित करने के बाद भी बना रहता है या नहीं।

चर्चा

प्रस्तुत अध्ययन का केंद्रीय प्रश्न यह है कि विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यमों का उपयोग राजनीतिक सहभागिता से किस प्रकार संबंधित है। उपलब्ध साहित्य और प्रस्तुत उदाहरणात्मक सांख्यिकीय संरचना से यह स्पष्ट होता है कि इस संबंध को केवल सोशल मीडिया पर बिताए गए समय के आधार पर समझना पर्याप्त नहीं होगा। सोशल मीडिया का उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है—मनोरंजन, सामाजिक संपर्क, शिक्षा अथवा राजनीतिक सूचना—यह राजनीतिक सहभागिता के अध्ययन में अधिक महत्वपूर्ण हो सकता है। उदाहरणात्मक विश्लेषण में सोशल मीडिया उपयोग और कुल राजनीतिक सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंध दिखाई देता है। इसी प्रकार राजनीतिक सामग्री के संपर्क और राजनीतिक जागरूकता के बीच अपेक्षाकृत मजबूत संबंध प्रस्तुत किया गया है। यह पूर्ववर्ती शोधों के अनुरूप है, जहाँ सोशल मीडिया के समाचार-संबंधी उपयोग को नागरिक एवं राजनीतिक सहभागिता से जोड़ा गया है। हालाँकि, राजनीतिक सामग्री को देखना और सक्रिय राजनीतिक भागीदारी दो अलग व्यवहार हैं। उदाहरणात्मक तालिकाओं में राजनीतिक वीडियो देखने तथा राजनीतिक समाचार पढ़ने के स्तर अपेक्षाकृत अधिक हैं, जबकि राजनीतिक पोस्ट साझा करने, टिप्पणी करने, हैशटैग अभियान में भाग लेने और राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क जैसे सक्रिय व्यवहार अपेक्षाकृत कम दिखाई देते हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि विश्वविद्यालयी छात्रों में सोशल मीडिया आधारित राजनीतिक सहभागिता का एक बड़ा हिस्सा **information-oriented या passive engagement** हो सकता है, जबकि active participation का स्तर अलग हो सकता है। Boulianne के meta-analysis से भी यह सावधानी सामने आती है कि सोशल मीडिया और सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंध मिलने के बावजूद कारणात्मक प्रभाव हमेशा स्थापित नहीं होता। इसलिए यदि कोई छात्र सोशल मीडिया का अधिक उपयोग करता है और अधिक राजनीतिक रूप से सक्रिय भी है, तो यह आवश्यक नहीं कि सोशल मीडिया ही उसकी राजनीतिक सक्रियता का एकमात्र कारण हो। राजनीतिक रुचि, शिक्षा, पारिवारिक वातावरण, सामाजिक नेटवर्क और पूर्व राजनीतिक सहभागिता जैसे अन्य कारक भी प्रभाव डाल सकते हैं। भारतीय विश्वविद्यालयी संदर्भ में Instagram और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर किए गए अध्ययन यह दर्शाते हैं कि युवा राजनीतिक संवाद और सहभागिता के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर रहे हैं। वर्तमान अध्ययन का विशेष योगदान सामान्य सोशल मीडिया उपयोग, राजनीतिक सामग्री संपर्क और डिजिटल साक्षरता को अलग-अलग मापना है। डिजिटल साक्षरता का आयाम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। राजनीतिक सामग्री की अधिक उपलब्धता तभी लोकतांत्रिक सहभागिता के लिए उपयोगी हो सकती है जब छात्र सूचना की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करने और विभिन्न स्रोतों की तुलना करने में सक्षम हों। इसीलिए तथ्य-जाँच और स्रोत-विविधता को राजनीतिक सहभागिता के अध्ययन में शामिल करना आवश्यक है। ऑनलाइन और ऑफलाइन सहभागिता के बीच अंतर भी अध्ययन का महत्वपूर्ण पहलू है। ऑनलाइन राजनीतिक चर्चा का बढ़ना आवश्यक रूप से राजनीतिक बैठकों, छात्र संगठनों या अन्य प्रत्यक्ष गतिविधियों में समान वृद्धि का संकेत नहीं है। अतः भविष्य के शोधों में इन दोनों रूपों को अलग-अलग dependent variables के रूप में लेकर अध्ययन करना अधिक उपयोगी होगा।

निष्कर्ष

विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यम और राजनीतिक सहभागिता का संबंध समकालीन डिजिटल लोकतंत्र को समझने का महत्वपूर्ण विषय है। अध्ययन से संबंधित साहित्य तथा प्रस्तावित मात्रात्मक ढाँचा यह संकेत देता है कि सामाजिक माध्यम राजनीतिक सूचना, संवाद और सहभागिता के नए अवसर उपलब्ध कराते हैं। विशेष रूप से राजनीतिक समाचार, वीडियो, ऑनलाइन चर्चा और डिजिटल अभियान युवाओं के राजनीतिक अनुभव का हिस्सा बन रहे हैं। अध्ययन का महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि **सामान्य सोशल मीडिया उपयोग और राजनीतिक सोशल मीडिया उपयोग को अलग-अलग समझना आवश्यक है**। केवल किसी छात्र द्वारा प्रतिदिन सोशल मीडिया पर बिताए गए घंटे राजनीतिक सहभागिता का पर्याप्त संकेतक नहीं हैं। राजनीतिक सामग्री का संपर्क, राजनीतिक चर्चा, तथ्य-जाँच, सामग्री साझा करना और ऑनलाइन अभियान में भागीदारी अधिक विशिष्ट राजनीतिक व्यवहार हैं। इसी प्रकार राजनीतिक सहभागिता को केवल ऑनलाइन गतिविधियों से मापना भी पर्याप्त नहीं है। मतदान की इच्छा, राजनीतिक कार्यक्रमों में भागीदारी, छात्र संगठनों से जुड़ाव और राजनीतिक प्रतिनिधियों से संपर्क जैसे ऑफलाइन आयामों को भी अध्ययन में शामिल करना आवश्यक है। इस प्रकार डिजिटल राजनीतिक सहभागिता और पारंपरिक राजनीतिक सहभागिता के बीच संभावित संबंध अधिक स्पष्ट रूप से समझा जा सकता है। उपलब्ध शोध में सोशल मीडिया उपयोग और राजनीतिक सहभागिता के बीच सकारात्मक संबंधों के पर्याप्त संकेत मिलते हैं, लेकिन कारणात्मक निष्कर्षों के संबंध में सावधानी आवश्यक है। Boulianne के meta-analysis ने भी

संबंधों की सकारात्मकता के साथ causal interpretation की सीमाओं को रेखांकित किया है। इसलिए भविष्य के अध्ययनों में longitudinal data, panel studies और experimental designs उपयोगी हो सकते हैं। अंततः, विश्वविद्यालयी छात्रों में सामाजिक माध्यम राजनीतिक सहभागिता का एक महत्वपूर्ण **माध्यम** है, लेकिन उसका प्रभाव उपयोग के उद्देश्य, राजनीतिक सामग्री के संपर्क, डिजिटल साक्षरता और छात्र की पूर्व राजनीतिक रुचि जैसे कारकों से जुड़ा हो सकता है। डिजिटल युग में विश्वविद्यालयों के लिए राजनीतिक एवं डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है, ताकि छात्र ऑनलाइन उपलब्ध राजनीतिक सूचना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कर सकें और जिम्मेदार नागरिक सहभागिता में भाग ले सकें।

संदर्भ सूची

- [1]. Boulianne, S. (2015). Social media use and participation: A meta-analysis of current research. *Information, Communication & Society*, 18(5), 524–538. <https://doi.org/10.1080/1369118X.2015.1008542>
- [2]. Boulianne, S. (2020). Twenty years of digital media effects on civic and political participation. *Communication Research*, 47(7), 947–966.
- [3]. Bhatt, I., & Kumar, V. (2022). Instagram as new platform for political participation among Indian youth: An opinion study of university students. *Business Management Review*, 8, 24–33.
- [4]. Gil de Zúñiga, H., Jung, N., & Valenzuela, S. (2012). Social media use for news and individuals' social capital, civic engagement and political participation. *Journal of Computer-Mediated Communication*, 17(3), 319–336. <https://doi.org/10.1111/j.1083-6101.2012.01574.x>
- [5]. Gil de Zúñiga, H., Molyneux, L., & Zheng, P. (2014). Social media, political expression, and political participation: Panel analysis of lagged and concurrent relationships. *Journal of Communication*, 64(4), 612–634.
- [6]. Howard, P. N., & Parks, M. R. (2012). Social media and political change: Capacity, constraint, and consequence. *Journal of Communication*, 62(2), 359–362.
- [7]. Kahne, J., Lee, N. J., & Feezell, J. T. (2013). The civic and political significance of online participatory cultures among youth transitioning to adulthood. *Journal of Information Technology & Politics*, 10(1), 1–20.
- [8]. Loader, B. D., Vromen, A., & Xenos, M. A. (2014). The networked young citizen: Social media, political participation and civic engagement. *Information, Communication & Society*, 17(2), 143–150.
- [9]. Margetts, H., John, P., Hale, S., & Yasserli, T. (2016). *Political turbulence: How social media shape collective action*. Princeton University Press.
- [10]. Norris, P. (2002). *Democratic phoenix: Reinventing political activism*. Cambridge University Press.
- [11]. Papacharissi, Z. (2010). *A private sphere: Democracy in a digital age*. Polity Press.
- [12]. Putnam, R. D. (2000). *Bowling alone: The collapse and revival of American community*. Simon & Schuster.
- [13]. Shirky, C. (2011). The political power of social media: Technology, the public sphere, and political change. *Foreign Affairs*, 90(1), 28–41.
- [14]. Theocharis, Y., Lowe, W., van Deth, J. W., & García-Albacete, G. (2015). Using Twitter to mobilize protest action: Online mobilization patterns and action repertoires in the Occupy Wall Street movement. *Information, Communication & Society*, 18(2), 202–220.
- [15]. Valenzuela, S. (2013). Unpacking the use of social media for protest behavior: The roles of information, opinion expression, and activism. *American Behavioral Scientist*, 57(7), 920–942.
- [16]. Valenzuela, S., Arriagada, A., & Scherman, A. (2012). The social media basis of youth protest behavior: The case of Chile. *Journal of Communication*, 62(2), 299–314. <https://doi.org/10.1111/j.1460-2466.2012.01635.x>
- [17]. Valenzuela, S., Kim, Y., & de Zúñiga, H. G. (2012). Social networks that matter: Exploring the role of political discussion for online political participation. *International Journal of Public Opinion Research*, 24(2), 163–184.
- [18]. Verba, S., Schlozman, K. L., & Brady, H. E. (1995). *Voice and equality: Civic voluntarism in American politics*. Harvard University Press.

- [19]. Xenos, M., Vromen, A., & Loader, B. D. (2014). The great equalizer? Patterns of social media use and youth political engagement in three advanced democracies. *Information, Communication & Society*, 17(2), 151–167.
- [20]. Kumar, S., Sharma, A., & Verma, V. (2020). Social media: A tool for social and political inclusion among youth: A study of Indian university students. *Current Research Journal of Social Sciences and Humanities*, 4(1). <https://doi.org/10.12944/CRJSSH.4.1.08>
- [21]. Zúñiga, H. G. de, Barnidge, M., & Scherman, A. (2018). Social media social capital, offline social capital, and citizenship: Exploring asymmetrical social capital effects. *Political Communication*, 35(1), 47–68.